Page-07 | M.A 4th Semester Gr.-C (Modern India) | Dr. Amol Jha 13-10-20

Paper - XVI

Expansion of Railway - Part VII

अध्यक्ष और भी सदस्य रखे गये। 1900 से 1910 के बीच भारत में रेल का अभूतपूर्व विकास हुआ। 1900 ई० में भारत में रेलपथ की लम्बाई 25000 मील थी जो 1915 में बढ़कर 35000 मील हो गई। 1907 ई० में मैके समिति का गठन किया गया जिसने 1908 ई० में अपनी रिपोर्ट दी। इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर रेलवे बोर्ड को सरकारी मान्यता प्रदान की गई। 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध का विस्फोट हुआ। इसका कुप्रभाव रेलवे पर पड़ा। भारत में भी रेलों के विकास का कार्य अवरुद्ध हो गया, लेकिन जैसे ही विश्वयुद्ध के बादल छटे, 1920 में विलियम आकवर्थ की अध्यक्षता में एक समिति बनी जिसे 'आकवर्थ समिति' कहा जाता है। भारत में रेल के विकास में इस समिति का महत्वपूर्ण योगदान है। इस समिति की अनुशंसा के आधार पर रेल वित्त को सामान्य वित्त से पृथक कर दिया गया और रेल का राष्ट्रीयकरण किया गया। 1923 ई० में रेलों के राष्ट्रीयकरण की नीति अपनाई गई। 1924 के बाद रेल का वित्त बिल्कुल पृथक कर दिया गया और उसका वार्षिक बजट अलग बनने लगा। 1920 ई० तक भारत में 41700 मील लम्बे रेलपथ का निर्माण हो चुका था। सरकार को भी भारी आर्थिक मुनाफा हुआ। प्रथम महायुद्ध की समाप्ति तक सरकार को 8.9 करोड़ रु० का रेल से लाभ प्राप्त हुआ, वहीं 1930 ई० तक यह लाभ बढ़कर 116 करोड़ रुपया हो गया।

1926 ई० में डिकिन्सन की अध्यक्षता में रेल की प्रगति के लिए सुझाव देने हेतु एक समिति